(93)

कोर्ट फी COURT FEE 20रु. Rs.20 भारत INDIA सत्यमेव जयते बीस रुपये TWENTY RUPEES

कोर्ट फी COURT FEE 10रु. Rs.10 भारत INDIA सत्यमेव जयते दस रुपये TEN RUPEES

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल, ग्वालियर (म०प्र०)

प्र०क्र० :- - - /१७-१८/ निगरानी/पो क्लीगार

PBR/निगरानी/ग्वालि.( )/भू.रा./2018/0584

ओमप्रकाश शर्मा पुत्र स्व० श्री रामभरोसे शर्मा
निवासी सारिकानगर मुरार जि० ग्वालियर
- - - प्रार्थी

बनाम

१- श्रीमती प्रेमाबाई पत्नी श्री बाबूराम शर्मा
निवासी शिवनगर कुम्हरपुरा मुरार ग्वालियर
- - प्रतिप्रार्थी

२- भूरीबाई पत्नी लालाराम पुत्री मंगलप्रसाद
ब्राह्मण नि० ग्राम सहोना तह० पिछोर जिला
ग्वालियर

३- सावी पत्नी टीकाराम पुत्री मंगलप्रसाद ब्रा०
निवासी ग्राम गुदावली तह० मेहगाव जिला
भिण्ड,

४- श्रीमती बाई पत्नी स्व० बालाराम शर्मा
पुत्री स्व० मंगलप्रसाद ब्रा० नि० ग्राम गुदावली
तह० मेहगाव जिला भिण्ड म०प्र०
- - फारमल पक्षकार
प्रतिप्रार्थीगण

श्री अवधेश राजौरिया अभि० द्वारा आज दि. 19-1-18 प्रस्तुत। प्रारंभिक तर्क हेतु दिनांक 7-2-18 नियत।

क्लर्क ऑफ कोर्ट 19-1-18
राजस्व मण्डल, म.प्र. ग्वालियर

Notel
19-1-18

निगरानी अन्तर्गत धारा ५० म०प्र० भू० रा० संहिता १९५९ विरुद्ध प्र०क्र० ३०/१६-१७/ अपील मे पारित आदेश दि० १८-८-१७ व आदेश दि० ६-१-२०१८ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी ग्वा० (ग्रामीण)

न्यायालय, राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक पीबीआर/निगरानी/ग्वालियर/भूरा/18/0584 **जिला ग्वालियर**

स्थान व दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों के हस्ताक्षर
15-2-18	आवेदक अधिवक्ता द्वारा ग्राहयता पर प्रस्तुत तर्को पर विचार किया गया। अधीनस्थ अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित आदेश दिनांक 18-8-17 एवं दिनांक 9-1-18 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया । अनुविभागीय अधिकारी के आदेश के अवलोकन से स्पष्ट है कि उनके द्वारा प्रकरण में पारित अंतरिम आदेश दिनांक से 18-8-17 द्वारा धारा 5 का आवेदन पत्र स्वीकार करते हुये आगामी तिथि तक के लिये स्थगन दिया गया था जो प्रकरण की परिस्थिति एवं पीठासीन अधिकारी के स्वविवेक पर निर्भर करता है, जिसमें कोई अवैधानिकता परिलक्षित नहीं होती है तथा अंतरिम आदेश दिनांक 9-1-18 प्रकरण अंतिम बहस हेतु नियत किया गया है, जिसमें भी प्रथमदृष्टया कोई त्रुटि नहीं है । अत: यह निगरानी आधारहीन होने से अग्राहय की जाती है। अध्यक्ष	